University in News on 07 March 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : आठ विद्यार्थियों को मिली नौकरी

लखनऊ। लविवि के अभियांत्रिकीय एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल की ओर से हुई प्लेसमेंट ड्राइव में आठ छात्र-छात्राओं का चयन हुआ। चयनित छात्रों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बधाई दी। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि द्वितीय चरण के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में बीबीए के छह छात्रों और बीकॉम के दो छात्रों का चयन 3.08 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ है। (संवाद)

प्रतियोगिता में अर्चा मेनन विजेता

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर ऑनलाइन एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता हुई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विभाग की ओर से हुए कार्यक्रम में विधि संकाय के डीन बीडी सिंह शामिल हुए। आयोजक डॉ. आलोक यादव ने बताया कि प्रतिभागियों को दो समूहों में विभाजित किया गया था। महिलाओं से संबंधित विषयों पर हुई प्रतियोगिता में स्कूल ऑफ लॉ, एनएमआईएमएस की अर्चा मेनन विजेता रहीं। उपविजेता सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार की साधना पाराशर और मेरठ के दीवान लॉ कॉलेज के हर्ष जैनर रहे। (संवाद)

पूर्व विद्यार्थियों का पुनर्मिलन समारोह

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में बुधवार को पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें पूर्व छात्रों ने बीते दिनों की यादें ताजा कीं। राजनीति विज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. मनुका खन्ना ने पूर्व छात्रों के अटूट समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया और विभाग के भीतर समुदाय और सहयोग की मजबूत भावना को बढ़ावा देने में ऐसे पुनर्मिलन के महत्व पर जोर दिया। (माई सिटी रिपोर्टर)

नई शिक्षा नीति में पारंगत होंगे लविवि व कॉलेजों के शिक्षक, मिलेगा प्रशिक्षण

14 से शुरू होगा पहला चरण

लखनऊ। नई शिक्षा नीति-2020 की बारीकियों से परिचित कराने के लिए लविवि में दो चरण में प्रशिक्षण होने जा रहा है। इसमें विवि के साथ ही सभी कॉलेज के दो-दो शिक्षकों को शामिल होना अनिवार्य है। लविवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से मालवीय मिशन टीचर्स ट्रेनिंग की शुरुआत की गई है। सेंटर के निदेशक प्रो. कमल कुमार की इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। इसका मकसद सभी शिक्षकों को नई शिक्षा नीति के तहत प्रशिक्षित किया जाना है। लविवि के एकेडमिक स्टाफ कॉलेज में निशुल्क प्रशिक्षण शुरू किया जा रहा है। पहला चरण 14 से 22 मार्च और दूसरा 20 से 30 मार्च के बीच होगा। इसमें विवि के साथ ही कॉलेज के शिक्षकों को भी शामिल होना है। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 5

₹100 करोड़ से हाईटेक होगा LU

पीएम ऊषा के तहत मिली ग्रांट, वीसी ने राज्यपाल से मिलकर जताया आभार

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू में लेक्चर थियेटर कॉम्प्लेक्स, मल्टी डिसिप्लिनरी एजुकेशन सिस्टम और लाइब्रेरी में वाई-फाई जैसी सुविधाएं मुहैया होंगी। इसका सीधा फायदा स्टूडेंट्स को मिलेगा। विवि को पीएम उच्चतर शिक्षा अभियान पीएम (उषा) के तहत सौ करोड़ की ग्रांट मिलने के बाद वीसी ने बुधवार को राज्यपाल से मिलकर आभार जताते हुए यह होने वाले कामों की जानकारी दी।

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के साथ ही शिक्षकों ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मिलकर ऐतिहासिक फंड को लेकर आभार जताया। इस दौरान अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न भी भेंट किए। राज्यपाल ने ग्रांट का बेहतर उपयोग करने की सलाह देने के साथ ही नैक के अनुरूप विवि को सुदृढ़ करने और गुणवत्ता सुधार पर ध्यान देने को कहा। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में आवश्यक कार्यों व सुविधाओं के लिए बड़ी संस्थाओं से सीएसआर फंड प्राप्त करने का सुझाव भी दिया। कुलपति ने बताया कि ग्रांट का अगले पांच सालों में इस्तेमाल किया जाएगा। इस मौके पर रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह, उपकुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी, चीफ प्रॉक्टर राकेश त्रिवेदी, प्रो. डीके सिंह समेत तमाम प्राध्यापक मौजूद रहे।

27 स्टूडेंट्स का कैंपस प्लेसमेंटः लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को आयोजित कैंपस प्लेसमेंट में 27 विद्यार्थियों का चयन हुआ। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडे के अनुसार 19 स्टूडेंट्स का एग्जीक्यूटिव ट्रेनी के पद पर चयन करते हुए निजी क्षेत्र के बैंक ने 4.25 लाख रुपये का पैकेज ऑफर किया है। वहीं, 8 अन्य स्टूडेंट्स का एमएनसी में चयन हुआ है। एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एवं संकाय के डीन प्रो एनके सिंह ने चयन पर बधाई थी है। चयनित होने वालों में बीबीए के सिद्धार्थ सिंह, यश सिंह, दिव्यांश त्रिपाठी, दृष्टि मल, प्रथम तलरेजा एवं दिव्या शर्मा के साथ बीकॉम की खुशी मंध्यान एवं स्नेहा विश्वकर्मा शामिल हैं।

अमेरिकी दूतावास की टीम ने समझा सुरक्षा तंत्र

■ एनबीटी, लखनऊः संयुक्त राज्य अमेरिका दूतावास के काउंसलर अनुभाग के दल ने बुधवार एलयू का विशेष दौरा किया गया। उद्देश्य था विवि के डिग्री और मार्कशीट के फर्जीवाड़े पर लगाम के तंत्र को समझना। दूतावास से आई सारा एंकास और ईशा कपूर को एलयू की टीम ने मार्कशीट में गुलेचो/हाई रेजोल्यूशन डिजाइनिंग, एंटी कॉपी, एंटी स्कैनिंग स्याही, होलोग्राम, क्यूआर कोड, माइक्रो टेक्स्ट/माइक्रो लेटरिंग, यूवी जैसी व्यवस्थाओं से अवगत कराया। दूतावास की टीम ने सुरक्षा व्यवस्था की सराहना की। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने पहल की सराहना की है।

LU: राजनीति विज्ञान विभाग में जुटे पूर्व स्टूडेंट्स

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू के राजनीति विज्ञान विभाग गलियारे अतीत की स्मृतियों से गूंज उठे। विभाग की ओर से वर्ष 1987 से 2020 तक के पूर्व छात्रों की सभा हुई, जिसे एल्युमिनेट नाम दिया गया। प्रतिष्ठित राजनेताओं, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और पेशेवरों ने उपस्थिति देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। पूर्व छात्रों ने यूनिवर्सिटी में बिताए दिन याद किए। इस मौके पर कई विषयों पर इंटरैक्टिव सत्र एवं पैनल डिस्कशन हुए। अंत में विभाग की प्रमुख डॉ मुनक्का खन्ना ने पूर्व छात्रों के समर्थन और सहयोग के लिए आभार जताया।

LU ने जारी किया पीएचडी इंटरव्यू शेड्यूल

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय ने पार्ट टाइम और फुल टाइम पीएचडी का इंटरव्यू शेड्यूल बुधवार को जारी कर दिया। जिन स्टूडेंट्स ने पीएचडी एंट्रेंस परीक्षा पास कर ली है, वह इंटरव्यू देंगे। इसमें फुल टाइम में आर्ट्स, एजुकेशन, साइंस और लॉ के इंटरव्यू के लिए 9 से लेकर 19 मार्च की डेट जारी की है। वहीं, पार्ट टाइम में आर्ट्स, एजुकेशन, साइंस और लॉ के इंटरव्यू 12 से 20 मार्च तक होंगे। एलयू प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पीएचडी कैंडिडेट अपने इंटरव्यू की डेट के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय की अधिकारिक वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर जानकारी कर सकते हैं।

HINDUSTAN PAGE 8

डिग्री और मार्कशीट में धोखे से बचना सीखा

लखनऊ। एलयू में संयुक्त राज्य अमेरिका दूतावास के कांसुलर अनुभाग की टीम ने दौरा किया। उन्होंने डिग्री और मार्कशीट में अपनाई जाने वाली धोखाधड़ी की रोकथाम के तंत्र को समझा। इस यात्रा की अगुवाई धोखाधड़ी निवारण प्रबंधक सारा एंकास और ईशा कपूर ने किया। उन्होंने अमेरिकी दूतावास की ओर से सामना किए जाने वाले घोटालों और धोखाधड़ी गतिविधियों से जुड़ी बढ़ती चिंताओं को दूर करने को प्रशासनिक और शैक्षणिक अधिकारियों के साथ बातचीत भी की। दूतावास के व्यक्तियों संग बातचीत वाली टीम में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह समेत अन्य रहे।

JAGRAN CITY PAGE III

'पीएम ऊषा ग्रांट का करें बेहतर उपयोग'

लवि के कुलपति ने शिक्षकों के साथ राज्यपाल से मिलकर ग्रांट मंजूरी पर जताया आभार

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बुधवार को शिक्षकों व अधिकारियों संग राजभवन में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मुलाकात कर प्रधानमंत्री उच्च शिक्षा अभियान (पीएम ऊषा) के तहत 100 करोड़ की ग्रांट मंजूरी पर विशेष आभार जताया। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न एवं पुष्प भेंट कर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने लवि को प्राप्त ग्रांट का बेहतर उपयोग करने, नैक के अनुरूप विश्वविद्यालय को सुदृढ़ करने और निरंतर गुणवत्ता सुधार करने के लिए व्यय निर्धारण पर ध्यान देने को कहा।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के आवश्यक निर्माणों और सुविधाओं के विकास के लिए बड़ी संस्थाओं के सीएसआर फंड से धन प्राप्त करने का भी प्रयास करें। उन्होंने ग्रांट का बेहतर उपयोग के लिए योजना बनाकर कार्य करने पर जोर दिया। इस दिशा में चिकित्सा संस्थानों द्वारा महंगे उपकरण किराए पर लेकर उपयोग करने, पैथोलाजी लैब को किराये पर देकर राजस्व उत्पन्न कराने के अपने कार्यकाल के पूर्व अनुभवों को भी साझा किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में कर्मचारियों की कार्य क्षमताओं की समीक्षा करने का निर्देश भी दिया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने शिक्षकों व अधिकारियों के साथ राजभवन मे राज्यपाल आनदी बेन पटेल से मुलाकात कर उनको अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न एवं पुष्प भेंट कर सम्मानित किया ● राजभवन

पांच साल में किया जाएगा ग्रांट का उपयोग : कुलपति ने बताया कि मंजूर हुई 100 करोड़ की ग्रांट को पांच सालों में उपयोग किया जा सकेगा, जिसका 60 प्रतिशत केंद्र सरकार और 40 प्रतिशत राज्य सरकार देगी। उन्होंने ग्रांट का उपयोग मल्टी डिसिप्लिनरी एजुकेशन सिस्टम, लाइब्रेरी में वाई-फाई सुविधा, लेक्चर थियेटर काम्प्लेक्स जैसी विश्व स्तरीय सुविधाओं के विकास में करने की चर्चा की। इस अवसर पर कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह, उप कुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी, चीफ प्राक्टर राकेश त्रिवेदी, प्रो. केया पांडेय, प्रो. अरूप चक्रवर्ती भी उपस्थित रहे।

लवि : 27 विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट

लवि के 27 छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट हुआ है। इनमें ईएसएएफ स्माल फाइनेंस बैंक ने एग्जीक्यूटिव ट्रेनी के पद पर 19 और विप्रो कंपनी में आठ छात्र-छात्राएं चयनित हुए हैं। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने बताया कि स्माल फाइनेंस बैंक के लिए चयनित अक्षत राय, रचित बाजपेयी, सैयद अकील अब्बास रिजवी, गरिमा गोस्वामी, कीर्ति कुमारी, निशा सिंह, कुलसुम सिद्दीकी, सोनाक्षी टंडन, प्रिया शर्मा, ऋषिका बाजपेयी, जतिन सोनकर, हिमांशु पाल, दीपाली सिंह, रिधिमा गुप्ता, शिखर अग्रवाल, मोहित द्विवेदी, शिवम, निधि शामिल हैं। इन्हें 4.25 लाख सालाना पैकेज मिलेगा। इंजीनियरिंग संकाय की प्लेसमेंट सेल के इंचार्ज डा. हिमांशु पांडेय के अनुसार विप्रो कंपनी में बी.बी.ए के सिद्धार्थ सिंह, यश सिंह, दिव्यांश त्रिपाठी, दृष्टि मल, प्रथम तलरेजा एवं दिव्या शर्मा, बी.काम के खुशी मंध्यान एवं स्नेहा विश्वकर्मा का चयन 3.08 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ। है। विप्रो कंपनी में जाब के लिए तीसरे चरण का फिजिकल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव 18 एवं 19 मार्च को होगा।

अर्चा मेनन ने जीती प्रतियोगिता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में स्थापित कानूनी सहायता केंद्र की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मद्देनजर एक ऑनलाइन एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता आयोजित की गई। देश भर के अलग-अलग कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से कुल 50 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। ऑनलाइन एक्सटेम्पोर की विजेता एनएमआईएमएस के स्कूल ऑफ लॉ की अर्चा मेनन और उप विजेता सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार की साधना पाराशर रहीं।

16 और विषयों में साक्षात्कार की तिथि तय

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बुधवार को रेगुलर पीएच.डी के 16 तथा पार्ट टाइम पीएच.डी के छह और विषयों में साक्षात्कार के लिए समय सारिणी जारी कर दी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in के माध्यम से इसे देख सकते हैं। इनमें रेगुलर वालों के साक्षात्कार नौ से 19 मार्च तक और पार्ट टाइम के साक्षात्कार 12 से 15 मार्च तक होंगे। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि व समय पर संबंधित विभाग के विभागाध्यक्ष कार्यालय में साक्षात्कार के लिए रिपोर्ट करनी होगी। उन्हें अपने सभी शैक्षिक अभिलेख, आरक्षण संबंधी अभिलेख लेकर आना है। गौरतलब है कि लवि ने इस बार रेगुलर की 576 सीटों के साथ-साथ 19 विषयों में पार्ट टाइम पीएच.डी की 56 सीटों के लिए आवेदन का मौका दिया गया था। अब प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए तिथि निर्धारित कर बुलाया गया है।

बीए और बीकाम की विषम सेमेस्टर परीक्षाएं 12 से : डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने मंगलवार को कैंपस एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के बी.ए और बी.काम पाठ्यक्रमों के छात्र-छात्राओं की विषम सेमेस्टर दिसंबर-20243 परीक्षाओं की समय सारिणी जारी कर दी है। यह परीक्षाएं 12 मार्च से शुरू होकर 16 अप्रैल तक संचालित होंगी। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://dsmru.up.nic.in/ से डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक डा. अमित कुमार राय ने बताया कि अभी तक बी.ए और बी.काम को छोड़कर अन्य सभी पाठ्यक्रमों की विषम सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं।

लॉ, भौतिकी समेत 16 विषयों के साक्षात्कार की तिथि तय

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में रेगुलर पीएचडी साक्षात्कार के लिए 16 विषयों की तारीख तय कर दी गई है। जबकि पार्ट टाइम पीएचडी के लिए छह विषयों की तिथि घोषित हुई है। अभ्यर्थी एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपने विषय से संबंधित तिथि व समय देख सकते हैं।

एलयू में शैक्षिक सत्र 2023-24 की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के तहत 24 और 25 जनवरी को दोनों परिसरों में प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया था। जिसके बाद 37 विषयों के नतीजे जारी किए गए थे। वहीं रेगुलर पीएचडी के लिए 15 और पार्ट टाइम पीएचडी साक्षात्कार के लिए सात विषयों की तारीख तय कर दी गई थी। इसके मद्देनजर बुधवार को रेगुलर पीएचडी के 16, पार्ट टाइम पीएचडी के छह विषयों की तिथि घोषित की है।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि चयनित अभ्यर्थियों को अपने सीरियल नंबर के हिसाब से साक्षात्कार में आना होगा। उसकी सूची विवि की वेबसाइट पर अपलोड है।

एलयू में पूर्व छात्र बीते लम्हों को याद कर भावुक हुए

लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग ने वर्ष 1987 से 2020 तक के पूर्व छात्रों के लिए इल्यूमिनेट नामक पुनर्मिलन कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें उच्च स्तर के पदों से रिटायर हुए राजनेता, नीति निर्माता, शिक्षाविद् समेत अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य कर चुके व्यक्ति शामिल हुए। पूर्व छात्रों ने अपने विभाग की कक्षाओं का भ्रमण कर पुरानी यादों को ताजा किया। परिसर घूमा। एक दूजे संग सेल्फी और फोटो ली।

PIONEER PAGE 4

योजना बनाकर धनराशि का बेहतर उपयोग करें: राज्यपाल

● राज्यपाल से मिलकर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति और शिक्षकों ने पीएम ऊषा से 100 करोड़ ग्रांट मंजूरी पर जताया आभार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से बुधवार को राजभवन में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक राय ने शिक्षकों एवं अन्य अधिकारियों के साथ मुलाकात की। उन्होंने हाल ही में विश्वविद्यालय को प्रधानमंत्री उच्च शिक्षा अभियान के तहत मंजूर हुई 100 करोड़ की ग्रांट के लिए राज्यपाल का विशेष आभार व्यक्त किया। कुलपति तथा विश्वविद्यालय के अध्यापकों और अधिकारियों ने इस अवसर पर राज्यपाल को अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न एवं पुष्प भेंट कर सम्मानित किया।

राज्यपाल ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय को प्राप्त ग्रांट का बेहतर उपयोग करने, नैक के अनुरूप विश्वविद्यालय को सुदृढ़ करने और निरंतर गुणवत्ता सुधार करने हेतु व्यय निर्धारण पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने विश्वविद्यालय को प्राप्त धन का बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग करने पर विशेष जोर दिया और कहा कि विश्वविद्यालय के आवश्यक निर्माण कार्यों और सुविधाओं के विकास के लिए बड़ी संस्थाओं के सीएसआर फंड से धन प्राप्त करने का प्रयास करें। उन्होंने धनराशि के बेहतर उपयोग के लिए योजना बनाकर कार्य करने पर जोर दिया। इस दिशा में उन्होंने चिकित्सा संस्थानों द्वारा महंगे उपकरण किराए पर लेकर उपयोग करने, पैथोलॉजी लैब को किराए पर देकर रेवेन्यु जेनरेट कराने के अपने कार्यकाल के पूर्व अनुभवों को भी साझा किया। इसी क्रम में उन्होंने विश्वविद्यालय में कर्मचारियों की कार्य क्षमताओं की समीक्षा करने का निर्देश भी दिया। उन्होंने कर्मचारी हित में समय से मिलने वाले प्रमोशन में समय हानि न होने देने हेतु अपनी कार्य-प्रणाली और दृढ़ता से कार्य करने के अनुभव भी साझा किए।

मुलाकात के दौरान कुलपति ने जानकारी दी की मंजूर हुई 100 करोड़ की ग्रांट को पांच सालों में उपयोग किया जा सकेगा, जिसका 60 प्रतिशत केन्द्र सरकार द्वारा तथा 40 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा प्रदान किया जायेगा। उन्होंने राज्यपाल से ग्रांट के उपयोग पर भी विचार साझा किए, जिसमें मल्टी डिसिप्लिनरी एजुकेशन सिस्टम, लाइब्रेरी में वाई-फाई सुविधा, लेक्चर थियेटर काम्प्लेक्स जैसी विश्व स्तरीय सुविधाओं के विकास की चर्चाएं की। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के दिशा निर्देशों से ही आज लखनऊ विश्वविद्यालय विश्वस्तर पर अपनी पहचान सुनिश्चित कर रहा है। कुलपति के साथ आए प्राध्यापकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, राज्यपाल जी के मूल्यवान दिशा-निर्देशों के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि 100 करोड़ की ग्रांट प्राप्त होना ऐतिहासिक है जो कि उनके निर्देशन में प्राप्त हो रही उपलब्धियों का ही परिणाम है।

इल्यूमिनेट में मिले पूर्व छात्र, की यादें ताजा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग ने वर्ष 1987 से 2020 तक के पूर्व छात्रों के लिए बुधवार को एक ऐतिहासिक सभा का आयोजन किया गया, जिसे इल्यूमिनेट नामक पुनर्मिलन कार्यक्रम के लिए बुलाया गया था। इस उल्लेखनीय अवसर ने न केवल अतीत की स्मृतियों का जश्न मनाया बल्कि भविष्य के शैक्षणिक सहयोग के लिए आधार भी तैयार किया।

प्रतिष्ठित राजनेताओं, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और पेशेवरों सहित जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के पूर्व छात्रों ने अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। माहौल पुरानी यादों और उत्साह से भर गया क्योंकि पूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय में अपने समय को याद किया और अपनी शैक्षणिक यात्रा के किस्से साझा किए। कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण पूर्व छात्रों द्वारा राजनीति विज्ञान विभाग के शैक्षणिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने की प्रतिज्ञा थी। अपनी विशेषज्ञता और अनुभवों को साझा करने का वादा करते हुए, पूर्व छात्रों ने वर्तमान और भविष्य के छात्रों के लिए सीखने और विकास के माहौल को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

राजनीति विज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. मनुका खन्ना ने पूर्व छात्रों के अटूट समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया और विभाग के भीतर समुदाय और सहयोग की मजबूत भावना को बढ़ावा देने में ऐसे पुनर्मिलन के महत्व पर जोर दिया।

पूरे दिन कई इंटरैक्टिव सत्र और पैनल चर्चाएं आयोजित की गईं, जिसमें वर्तमान राजनीतिक रुझान, नीतिगत निहितार्थ और राजनीति विज्ञान अनुसंधान के उभरते परिदृश्य जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी। इन सत्रों ने पूर्व छात्रों को एक दूसरे के साथ और संकाय सदस्यों के साथ सार्थक संवाद करने और विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

जैसे-जैसे कार्यक्रम समाप्त हुआ, उपस्थित लोगों के बीच आत्मीयता और सौहार्द की स्पष्ट भावना दिखाई दी। इलुमिनेट रीयूनियन ने न केवल स्मृतियों के गलियारे में एक यात्रा के रूप में कार्य किया, बल्कि लखनऊ विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता और नवाचार के लिए प्रेरणा की एक चिंगारी भी प्रज्वलित की। कुलपति पूर्व छात्रों को अपने पुराने विश्वविद्यालय में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, सुविधाओं, अनुसंधान और छात्र अनुभवों के लिए उनकी भागीदारी के संभावित लाभों पर जोर दे रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य विभाग की अपनेपन और टीम वर्क की भावना को मजबूत करना है। पूर्व छात्रों को अपना ज्ञान देकर विभाग के भविष्य में योगदान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है। विभाग के लक्ष्य को पूरा करने के लिए उनका योगदान आवश्यक माना जाता है।

डिग्री और मार्कशीट में फर्जीवाड़ा रोकने की तकनीक जानने एलयू पहुंची अमेरिकी टीम

● टीम ने अधिकारियों संग फर्जीवाड़े को रोकने के लिए की मंत्रणा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा डिग्री और मार्कशीट में अपनाई जाने वाली धोखाधड़ी की रोकथाम के तंत्र को समझने के लिए बुधवार को संयुक्त राज्य अमेरिका के दूतावास के कांसुलर अनुभाग ने लखनऊ विश्वविद्यालय का एक विशेष दौरा किया। इस यात्रा का नेतृत्व धोखाधड़ी निवारण प्रबंधक सारा एंकास और ईशा कपूर ने किया। जिन्होंने अमेरिकी दूतावास द्वारा सामना किए जाने वाले घोटालों और धोखाधड़ी गतिविधियों से संबंधित बढ़ती चिंताओं को दूर करने के लिए प्रशासनिक और शैक्षणिक अधिकारियों के साथ बातचीत की। यह धोखाधड़ी सीमित करने के तंत्र को समझने के लिए विश्वविद्यालयों का दौरा करने की उनकी कवायद का एक हिस्सा है। दूतावास के व्यक्तियों के साथ बातचीत करने वाली लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम में रजिस्ट्रार, प्रो वाइस चांसलर, डीन छात्र कल्याण, डीन अकादमिक, निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, निदेशक प्रवेश और उनकी टीम, डीन विज्ञान संकाय, मानव विज्ञान विभाग के प्रमुख और परीक्षा की टीम शामिल थी। विश्वविद्यालय की टीम ने दूतावास टीम को मार्कशीट में गुलेचो/हाई रेजोल्यूशन डिजाइनिंग, एंटी कॉपी और एंटी स्कैनिंग स्याही, होलोग्राम, ऑनलाइन सत्यापन क्यूआर कोड, माइक्रो टेक्स्ट/माइक्रो लेटरिंग, यूवी अदृश्य प्रिंटिंग जैसे विश्वविद्यालय धोखाधड़ी रोकथाम तंत्र से अवगत कराया। मूल/लोगो), वेरिएबल बारकोड, छात्रों की रंगीन तस्वीर, इंद्रधनुषी रंग की पृष्ठभूमि, एंटी कॉपीवाटर मार्क और विश्वविद्यालय का लोगो। दूतावास की टीम कई सुरक्षा सुविधाओं से बहुत प्रभावित हुई और सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए विश्वविद्यालय के समर्पण की सराहना की। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने अमेरिकी दूतावास द्वारा की गई पहल के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने आज के समाज में धोखाधड़ी रोकथाम शिक्षा की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और अपने छात्रों के लिए एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रयासों का समर्थन करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

उन्होंने अमेरिका के विश्वविद्यालयों के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय की सहभागिता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी चर्चा की। उन्होंने दूतावास को दूतावास द्वारा आयोजित आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों तक पहुंचने के लिए आमंत्रित किया।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आठ छात्रों को राष्ट्रपति के हाथों मिलेगा मेडल आज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जनकपुरी, नई दिल्ली का पहला दीक्षान्त समारोह गुरुवार को यशोभूमि कन्वेन्शन सेंटर,द्वारका, सेक्टर-25, नई दिल्ली में मनाया जायेगा। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति व केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की अध्यक्षता में एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी के नेतृत्व में आयोजित प्रथम दीक्षान्त समारोह में विश्वविद्यालय के सभी परिसरों के गोल्ड मेडलिस्ट को स्वर्ण पदक, पी.एच.डी, स्नातकोत्तर एवं स्नातक छात्रों को उपाधि(डिग्री) प्रदान की जाएगी। दीक्षान्त समारोह में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर के भी छात्र/छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। इन छात्रों में आचार्य आनन्द कुमार को फलित ज्योतिष के लिए, आचार्य काजल को बौद्ध दर्शन के लिए, आचार्य अभिनव आनन्द पाण्डेय को सिद्धान्त ज्योतिष में, आचार्य विनय कुमार मिश्रा को वेद के लिए, आचार्य संजय कुमार को बौद्ध दर्शन के लिए, आचार्य धनंजय पाण्डेय को वेद, आचार्य विभा मिश्रा को सिद्धान्त ज्योतिष के लिए, शिक्षाशास्त्री सोनम उपाध्याय को शिक्षाशास्त्र के लिए स्वर्ण पदक दिया जायेगा। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के इतिहास में भारतीय संस्कृत जगत का यह प्रथम, भव्य, वृहत्त दीक्षान्त समारोह होगा।

AMRIT VICHAR PAGE 4

अमेरिकी अधिकारियों ने सीखीं तकनीकी बारीकियां

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ,

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के तकनीकी विशेषज्ञों ने संयुक्त राज्य अमेरिका के दूतावास से आए कांउसलर अनुभाग के अधिकारियों को धोखाधड़ी और घोटालों की रोकथाम के उपाय बताए। कई ऐसी भी जानकारियां साझा कीं, जिसके सहारे इन पर तत्काल रोक भी लग सके।

लविवि के तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा डिग्री और मार्कशीट को हाइटेक बनाया गया है। ये व्यवस्था धोखाधड़ी की रोकथाम पर कारगर है। इसी को जानने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के दूतावास के कांउसलर अनुभाग की टीम विवि पहुंची। सारा एंकास के साथ ईशा कपूर भी थीं। इन्होंने अमेरिकी दूतावास द्वारा सामना किए जाने वाले घोटालों और धोखाधड़ी गतिविधियों को बताया। बढ़ती समस्याओं को दूर करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञ और शैक्षणिक अधिकारियों के साथ बातचीत की। फिर उसके निवारण के उपाय भी सीखे।

इस दौरान लविवि रजिस्ट्रार वीके सिंह, प्रो वाइस चांसलर, डीन छात्र कल्याण, डीन अकादमिक, निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, निदेशक प्रवेश और उनकी टीम, डीन विज्ञान संकाय, मानव विज्ञान विभाग के प्रमुख और परीक्षा की टीम शामिल थी।

लखनऊ विश्वविद्यालय में मौजूद अमेरिकी दूतावास के अधिकारी व अन्य।

▸▸ अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने जाने धोखाधड़ी और घोटालों की रोकथाम के उपाय

इन व्यवस्थाओं की दी जानकारी

विश्वविद्यालय की टीम ने दूतावास टीम को मार्कशीट में गुलेचो / हाई रेजोल्यूशन डिजाइनिंग, एंटी कॉपी और एंटी स्कैनिंग स्याही, होलोग्राम, ऑनलाइन सत्यापन क्यूआर कोड, माइक्रो टेक्स्ट/ माइक्रो लेटरिंग, यूवी अदृश्य प्रिंटिंग से अवगत कराया। मूल / लोगो), वेरिएबल बारकोड, छात्रों की रंगीन तस्वीर, इंद्रधनुषी रंग की पृष्ठभूमि, एंटी कॉपीवाटर मार्क की भी जानकारी दी गई।

वर्षों बाद एक-दूसरे से मिले छात्र

अमृत विचार, लखनऊ : लविवि के राजनीति विज्ञान विभाग में वर्ष 1987 से 2020 तक के पूर्व छात्र एक साथ इकट्ठा हुए। इस दौरान इंटरैक्टिव सत्र और पैनल चर्चाएं आयोजित की गईं, जिसमें वर्तमान राजनीतिक रुझान, नीतिगत निहितार्थ और राजनीति विज्ञान अनुसंधान के उभरते परिदृश्य जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी।

नेप ओरियेन्टेशन में शामिल होंगे शिक्षक

अमृत विचार, लखनऊ : लविवि में नेप ओरियेन्टेशन को लेकर एक प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। कुल सचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि इसको लेकर 14 से 20 मार्च और 20 से 30 मार्च तक दो चरणों में विवि और संबद्ध महाविद्यालयों को प्रशिक्षण दिये जाएंगे। शिक्षकों का इस कोर्स में पंजीकरण कराना अनिवार्य है।

रोजगार ने दिया नवाचार, होंगे शोध

अमृत विचार , लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के 27 छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट हुआ। रोजगार पाए छात्रों का मानना है कि अध्ययन के साथ मिला रोजगार नवाचार देगा। इसके सहारे शोध और अन्य गतिविधियां करने में आसानी रहेगी। लविवि के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल द्वारा कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन हुआ। निजी बैंक द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से 19 छात्रों को एक्जीक्यूटिव ट्रेनी के रूप में चुना गया। इसी तरह अभियांत्रिकीय एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल में आठ छात्रों को रोजगार का अवसर मिला। अवसर पाए बीबीए के छात्र सिद्धार्थ सिंह का कहना है कि इससे नवाचार के अवसर मिलेंगे। यश सिंह कहते हैं कि शोध का माध्यम भी रोजगार बनेगा। दिव्यांश त्रिपाठी का मानना है कि कैंपस चयन प्रतिभाओं को निखारने का कार्य कर रहा है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

एलयू के आठ छात्रों का प्लेसमेंट

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकीय एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 8 छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट विप्रो कंपनी में हुआ। चयनित छात्रों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय एवं संकाय के डीन प्रो.एके सिंह ने बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ.हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि विप्रो कंपनी के द्वितीय चरण के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में बीबीए के 6 छात्रों में सिद्धार्थ सिंह, यश सिंह, दिव्यांश त्रिपाठी, दृष्टिमल, प्रथम तलरेजा एवं दिव्या शर्मा तथा बी.कॉम की दो छात्राओं में खुशी मंध्यान एवं स्नेहा विश्वकर्मा)का चयन 3.08 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ। द्वितीय चरण के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के बाद विप्रो में विश्वविद्यालय के कुल चयनित छात्रों की संख्या 15 हो गयी है। साथ ही डॉ.हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि लविवि के छात्रों के लिए विप्रो कंपनी में जॉब के लिए तीसरे चरण की फिजिकल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 18 व 19 मार्च को लविवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में किया जायेगा।

प्रतियोगिता में महिलाओं को सशक्त बनाने का दिया संदेश

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में स्थापित कानूनी सहायता केंद्र ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को एक ऑनलाइन एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता का आयोजन किया। शेवोल्यूशनःमहिलाओं को सशक्त बनाना,मानवता को सशक्त बनाना विषय पर प्रतियोगिता का आयोजन प्रोफेसर डॉ.बीडी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक किया गया। प्रो.बीडी सिंह, प्रमुख एवं डीन, विधि संकाय, लविवि, डॉ.आलोक कुमार यादव, अध्यक्ष, कानूनी सहायता केंद्र, विधि संकाय,लविवि। प्रतियोगिता के निर्णायक लविवि के विधि संकाय के सहायक प्रो.डॉ.कुलवंत सिंह और डॉ.रोहित मिश्रा थे। उद्घाटन समारोह अतिथियों, न्यायाधीशों और प्रतिभागियों के स्वागत के साथ शुरू हुआ। प्रोफेसर डॉ.बी.डी. सिंह ने सभी प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन किया। इसके पश्चात डॉ.आलोक कुमार यादव ने सभी प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया और प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। डॉ. कुलवंत सिंह और डॉ. रोहित मिश्रा ने भी प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पूरे भारत से कुल 50 प्रतिभागी शामिल हुए। प्रतियोगिता में सभी विषय महिलाओं से संबंधित थे। प्रतिभागियों को 2 समूहों में विभाजित किया गया था। प्रत्येक प्रतिभागी को डिजिटल पिकर व्हील की आनंददायक विधि द्वारा तात्कालिक रूप से अपना विषय मिला। घूमने के बाद, सॉफ्टवेयर ने एक यादृच्छिक संख्या उत्पन्न की। निष्पक्षता सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक संख्या एक विशिष्ट विषय से मेल खाती थी। महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य, घरेलू हिंसा, गर्भपात का अधिकार, मासिक धर्म की छुट्टीः एक अभिशाप या वरदान, शिक्षा में लैंगिक समानता और कई अन्य विषय ऐसे थे जिन पर प्रतिभागियों ने बात की। प्रतियोगिता का समापन निर्णायकों द्वारा अपनी टिप्पणियां और राय देकर किया गया। ऑनलाइन एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता की विजेता अर्चा मेनन, स्कूल ऑफ लॉ, एनएमआईएमएस थीं और उपविजेता साधना पाराशर, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार और हर्ष जैनर, दीवान लॉ कॉलेज, मेरठ थे। इस प्रकार प्रतियोगिता एक सकारात्मक नोट पर समाप्त हुई।

विदेशी मेहमान सारा व ईशा ने लविवि का किया दौरा

डिग्री,मार्कशीट में धोखाधड़ी की रोकथाम के दिए मंत्र

स्वतंत्र भारत संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा डिग्री और मार्कशीट में अपनाई जाने वाली धोखाधड़ी की रोकथाम के तंत्र को समझने के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका के दूतावास के कांसुलर अनुभाग ने लविवि का एक विशेष दौरा किया। इस यात्रा का नेतृत्व धोखाधड़ी निवारण प्रबंधक सारा एंकास और ईशा कपूर ने किया, जिन्होंने अमेरिकी दूतावास द्वारा सामना किए जाने वाले घोटालों और धोखाधड़ी गतिविधियों से संबंधित बढ़ती चिंताओं को दूर करने के लिए प्रशासनिक और शैक्षणिक अधिकारियों के साथ बातचीत की। यह धोखाधड़ी सीमित करने के तंत्र को समझने के लिए विश्वविद्यालयों का दौरा करने की उनकी कवायद का एक हिस्सा है। दूतावास के व्यक्तियों के साथ बातचीत करने वाली लविवि की टीम में रजिस्ट्रार, प्रो.वाइस चांसलर, डीन छात्र कल्याण, डीन अकादमिक, निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, निदेशक प्रवेश और उनकी टीम, डीन विज्ञान संकाय, मानव विज्ञान विभाग के प्रमुख और परीक्षा की टीम शामिल थी। विश्वविद्यालय की टीम ने दूतावास टीम को मार्कशीट में गुलेचो, हाई रेजोल्यूशन डिजाइनिंग,एंटी कॉपी और एंटी स्कैनिंग स्याही, होलोग्राम, ऑनलाइन सत्यापन क्यूआर कोड, माइक्रो टेक्स्ट, माइक्रो लेटरिंग, यूवी अदृश्य प्रिंटिंग जैसे विश्वविद्यालय धोखाधड़ी रोकथाम तंत्र से अवगत कराया। मूल लोगो, वेरिएबल बारकोड, छात्रों की रंगीन तस्वीर, इंद्रधनुषी रंग की पृष्ठभूमि, एंटी कॉपीवाटर मार्क और विश्वविद्यालय का लोगो शामिल है। दूतावास की टीम कई सुरक्षा सुविधाओं से बहुत प्रभावित हुई और सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए विश्वविद्यालय के समर्पण की सराहना की। लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने अमेरिकी दूतावास द्वारा की गई पहल के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने आज के समाज में धोखाधड़ी रोकथाम शिक्षा की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और अपने छात्रों के लिए एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रयासों का समर्थन करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने अमेरिका के विश्वविद्यालयों के साथ लविवि की सहभागिता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी चर्चा की। उन्होंने दूतावास को दूतावास द्वारा आयोजित आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से लविवि के छात्रों तक पहुंचने के लिए आमंत्रित किया।

TOI PAGE 3

US embassy team visits LU to study degree fraud checks

Times News Network

This is a part of their exercise to visit universities to understand fraud-limiting mechanisms

Lucknow: The consular section of the embassy of the United States of America made a special visit to the Lucknow University (LU) on Wednesday to understand how the varsity safeguards its degree from all degree-related crimes like fake mark sheets and forging data in degrees.

The team was led by fraud prevention managers Sarah Ancas and Isha Kapoor, who engaged with administrative and academic officials to address the rising concerns related to scams and fraudulent activities faced by the US embassy. This is a part of their exercise to visit universities to understand fraud-limiting mechanisms.

The university officials including the registrar, dean academics and others made the embassy team aware of the university fraud prevention mechanisms in place in mark sheets, such as high-resolution designing, anti-copy and anti-scanning ink, hologram, online verification QR code, micro-text/micro-lettering, UV invisible printing (Original/Logo), variable barcode, coloured photograph of students, rainbow coloured background, anti-copy watermark and logo of university. LU introduced these special features after the fake mark sheet scam in 2019.

LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai shared the relevance of fraud prevention education today and affirmed the university's commitment to supporting efforts aimed at fostering a safer digital environment for its students. He also discussed the need to increase the interaction of LU with USA universities and invited the embassy to reach out to the LU students via outreach programmes organised by the embassy.

LOKSATYA PAGE 3

एलयू के राजनीति विज्ञान विभाग में पुरातन छात्रों का पुनर्मिलन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग ने वर्ष 1987 से 2020 तक के पूर्व छात्रों की ऐतिहासिक सभा "इल्यूमिनेट" नामक पुनर्मिलन कार्यक्रम हुआ। अतीत की स्मृतियों का जश्न मनाया गया। भविष्य के शैक्षणिक सहयोग के लिए आधार भी तैयार किया। प्रतिष्ठित राजनेताओं, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और पेशेवरों सहित जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के पूर्व छात्रों ने अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। माहौल पुरानी यादों और उत्साह से भर गया क्योंकि पूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय में अपने समय को याद किया और अपनी शैक्षणिक यात्रा के किस्से साझा किए। राजनीति विज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. मनुका खन्ना ने पूर्व छात्रों के अटूट समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया और विभाग के भीतर समुदाय और सहयोग की मजबूत भावना को बढ़ावा देने में ऐसे पुनर्मिलन के महत्व पर जोर दिया। पूरे दिन कई इंटरैक्टिव सत्र और पैनल चर्चाएं आयोजित की गईं, जिसमें वर्तमान राजनीतिक रुझान, नीतिगत निहितार्थ और राजनीति विज्ञान अनुसंधान के उभरते परिदृश्य जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

धनराशि का योजनाबद्ध बेहतर उपयोग करें : आनंदीबेन पटेल

राज्यपाल से मिलकर लविवि के कुलपति और प्राध्यापकों ने पीएम ऊषा से 100 करोड़ ग्रांट मंजूरी पर जताया आभार

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से बुधवार को राजभवन में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक राय ने प्राध्यापकों एवं अन्य अधिकारियों के साथ मुलाकात की।

● राज्यपाल के मूल्यवान दिशा-निर्देश से लविवि को मिली विश्वस्तरीय पहचान : प्रो आलोक राय

उन्होंने हाल ही में विश्वविद्यालय को प्रधानमंत्री उच्च शिक्षा अभियान के तहत मंजूर हुई 100 करोड़ की ग्रांट के लिए राज्यपाल का विशेष आभार व्यक्त किया।

कुलपति प्रो राय तथा विश्वविद्यालय के अध्यापकों और अधिकारियों ने इस अवसर पर राज्यपाल को अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न एवं पुष्प भेंट कर सम्मानित किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय को प्राप्त ग्रांट का बेहतर उपयोग करने, नैक के अनुरूप विश्वविद्यालय को सुदृढ़ करने और निरंतर गुणवत्ता सुधार करने के लिए व्यय निर्धारण पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने विश्वविद्यालय को प्राप्त धन का बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग करने पर विशेष जोर दिया और कहा कि विश्वविद्यालय के आवश्यक निर्माण कार्यों और सुविधाओं के विकास के लिए बड़ी संस्थाओं के सीएसआर फंड से धन प्राप्त करने का प्रयास करें। उन्होंने धनराशि के बेहतर उपयोग के लिए योजना बनाकर कार्य करने पर जोर दिया। इस दिशा में उन्होंने चिकित्सा संस्थानों द्वारा मंहगें उपकरण किराये पर लेकर उपयोग करने, पैथोलॉजी लैब को किराये पर देकर रेवेन्यु जेनरेट कराने के अपने कार्यकाल के पूर्व अनुभवों को भी साझा किया। इसी क्रम में उन्होंने विश्वविद्यालय में कर्मचारियों की कार्य क्षमताओं की समीक्षा करने का निर्देश भी दिया। उन्होंने कर्मचारी हित में समय से मिलने वाले प्रमोशन में समय हानि न होने देने के लिए अपनी कार्य-प्रणाली और दृढ़ता से कार्य करने के अनुभव भी साझा किए। मुलाकात के दौरान कुलपति ने जानकारी दी कि मंजूर हुई 100 करोड़ की ग्रांट को पांच सालों में उपयोग किया जा सकेगा, जिसका 60 प्रतिशत केन्द्र सरकार द्वारा तथा 40 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा प्रदान किया जायेगा। उन्होंने राज्यपाल से ग्रांट के उपयोग पर भी विचार साझा किए, जिसमें मल्टी डिसिप्लिनरी एजुकेशन सिस्टम, लाइब्रेरी में वाई-फाई सुविधा, लेक्चर थियेटर काम्पलेक्स जैसी विश्व स्तरीय सुविधाओं के विकास की चर्चाएं की। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के दिशा निर्देशों से ही आज लखनऊ विश्वविद्यालय विश्वस्तर पर अपनी पहचान सुनिश्चित कर रहा है। कुलपति के साथ आए प्राध्यापकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्यपाल के मूल्यवान दिशा-निर्देशों के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि 100 करोड़ की ग्रांट प्राप्त होना ऐतिहासिक है जो कि उनके निर्देशन में प्राप्त हो रही उपलब्धियों का ही परिणाम है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ विनोद कुमार सिंह, उप कुलपति प्रो अरविंद अवस्थी, चीफ प्राक्टर राकेश द्विवेदी, हेड प्रो डीके सिंह, प्रो केया पाण्डेय, प्रो डीके सिंह तथा प्रो अरूप चक्रवर्ती सहित अन्य पदाधिकारी एवं शिक्षक भी उपस्थित रहे।